हिन्दी पाक्षिक

महानगर स्तंभ

RNI NO. RAJHIN/2017/70561

पृष्ठ संख्या.... 2

❐ वर्ष-8 ❐ अंक-21 जयपुर, शुक्रवार 1 नवम्बर, 2024 ❐ एक प्रति 5 रुपये ❐ कुल पृष्ठ-4

खुशियों एवं उल्लास का त्योंहार- दीपावली

दीपावली खुशियों एवं उल्लास का त्योंहार है। पांच दिवसीय यह त्योहार लोगों के जीवन में उत्साह वर्धन करता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार कार्तिक अमावस्या को भगवान श्रीराम चौदह वर्ष का वनवास पूर्ण कर तथा रावण का संहार करके अयोध्या लौटे थे। अयोध्या वासियों ने राम के राज्यारोहण पर दीपमालाएं जलाकर उनका स्वागत कर उत्सव मनाया था। दीपावली हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। इस दिन अनेक विजयश्री युक्त कार्य हुए हैं। बहुत से शुभ कार्यों का प्रारम्भ भी इसी दिन से माना गया है। इसी दिन उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य का राजतिलक हुआ था। विक्रम संवत का आरम्भ भी इसी दिन से माना जाता है। इस दिन व्यापारी अपने बही-खाते बदलते हैं तथा लाभ-हानि का ब्यौरा तैयार करते हैं। महालक्ष्मी पूजन व दीपावली का महापर्व कार्तिक कृष्ण पक्ष की अमावस्या में प्रदोष काल, स्थिर लग्न समय में मनाया जाता है। धन की देवी श्री महालक्ष्मी का आशीर्वाद पाने के लिये इस दिन लक्ष्मी पूजन करना विशेष रुप से शुभ रहता है। दीपावली में अमावस्या तिथि, प्रदोष काल, शुभ लग्न व चौघडिया मुहूर्त विशेष महत्व रखते है। दीपावली व्यापारियों, क्रय-विक्रय करने वालों के लिये विशेष रुप से शुभ मानी जाती है। दीपावली के दिन विशेषता लक्ष्मी जी के पूजन से संबन्धित है। इस दिन हर घर, परिवार, कार्यालय में लक्ष्मी जी के पूजन के रुप में उनका स्वागत किया जाता है। दीपावली के दिन लोग धन की देवी लक्ष्मी से समृद्धि और वित्तकोष की कामना करते हैं। लक्ष्मी व श्री गणेश की मूर्तियां (बैठी हुई मुद्रा में). केशर, रोली, चावल, पान, सुपारी, फल, फूल, दूध, खील, बताशे, सिंदूर, शहद, सिक्के, लौंग. सूखे, मेवे, मिठाई, दही, गंगाजल, धूप, अगरबत्ती, 11 दीपक, रुई तथा कलावा नारियल और तांबे का कलश चाहिए।

दीपावली की पौराणिक मान्यता

दीपावली पर्व हिन्दूओं का प्रमुख त्यौहार है, इस पर्व का धार्मिक महत्व होने के साथ साथ पौराणिक महत्व भी है। मान्यता के अनुसार बारह राशियों को दो भागों में बांटा गया है। छः राशियां एक बडे नाडीवृत के एक और है, तथा शेष 6 राशियां नाडीवृत के दूसरी ओर है। इसी मंथन को करने के बाद चौदह रत्न निकलते है व लक्ष्मी जी अमावस्या तिथि के दिन प्रकट हुई थी। समुद्र मंथन करने के बाद ही लक्ष्मी जी का जन्म हुआ था। देवी लक्ष्मी जी के अनेक रुप कहे गये है, उन्हें लक्ष्मी जी, महालक्ष्मी जी, राजलक्ष्मी, गृहलक्ष्मी जी आदि कहा जाता है। दीपावली के आगमन से पूर्व ही घर की साफ सफाई की जाती है। साफसुथरे घर में ही श्री कमला लक्ष्मी का आह्वान किया जाता है। इस दिन पकी हुई फसल, काट कर घर लाई जाती है। घर में धन-धान्य आता है। धनवान भी उसी व्यक्ति को कहा जाता है, जो शरीर से स्वस्थ हो, जिसके जीवन में प्रसन्नता हों, जो आनन्द प्राप्ति के लिये धन का व्यय कर रहा हो, जिसके पास सुख - समृद्धि, बुद्धि और ज्ञान हों, यही कारण है कि महालक्ष्मी जी का पूजन करते समय महालक्ष्मी जी, महासरस्वती व श्री गणेश जी का पूजन किया जाता है। गणेश बुद्धि के देवता है, तथा सरस्वती ज्ञान की देवी है, इसलिये लक्ष्मी जी के नाम के साथ सदैव श्री शब्द लगाया जाता है। इसका अर्थ यह निकलता है, कि किसी व्यक्ति को धन के रुप में लक्ष्मी जी की प्राप्ति हो भी जाती है, तो उसे उस धन का व्यय श्रेष्ठ कार्यों में करना चाहिए। दीपावली के पर्व पर सदैव माता लक्ष्मी के साथ गणेश भगवान की पूजा की जाती है। इस का कारण यह है कि दीपावली धन, समृद्धि व एश्वर्य का पर्व है, तथा लक्ष्मी जी धन की देवी है। इसके साथ ही यह भी सर्वविदित है कि, बिना बुद्धि के धन व्यर्थ है. धन-दौलत की प्राप्ति के लिये देवी लक्ष्मी तथा बुद्धि की प्राप्ति के लिये श्री गणेश की पूजा की जाती है। श्री गणेश को शुभता का प्रतीक कहा गया है। श्री गणेश सिद्धि देने वाले देवता है. जीवन में सुख - शान्ति लाने के लिये श्री गणेश की आराधना की जाती है। यही कारण है कि सभी शुभ कार्य करने से पहले श्री गणेश की पूजा की जाती है. पूजा और शुभ कार्यों को सुचारु रुप से चलाने के लिये सबसे पहले गणेश जी का ध्यान किया जाता है।

धनतेरस

दीपावली पांच दिवस का त्योंहार है जिसका प्रारम्भ धरतेरस से होता है। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन धनतेरस का पर्व पूरी श्रद्धा व विश्वास से मनाया जाता है। देव धनवन्तरी के अलावा इस दिन, देवी लक्ष्मी जी और धन के देवता कुबेर के पूजन की परम्परा है। इस दिन नये उपहार, सिक्का, बर्तन व गहनों की खरीदारी करना शुभ रहता है। शुभ मुहूर्त समय में पूजन करने के साथ सात धान्यों की पूजा की जाती है। सात धान्य गेंहू, उडद, मूंग, चना, जौ, चावल और मसूर है। सात धान्यों के साथ ही पूजन सामग्री में विशेष रुप से स्वर्णपुष्पा के पुष्प से भगवती का पूजन करना लाभकारी रहता है। इस दिन पूजा में भोग लगाने के लिये नैवेद्य के रुप में श्वेत मिष्ठान्न का प्रयोग किया जाता है, साथ ही इस दिन स्थिर लक्ष्मी का पूजन करने का विशेष महत्व है। धन त्रयोदशी के दिन देव धनवंतरी देव का जन्म हुआ था। धनवंतरी देव, देवताओं के चिकित्सकों के देव है। यही कारण है कि इस दिन चिकित्सा जगत में बडी-बडी योजनाएं प्रारम्भ की जाती है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। लक्ष्मी जी व गणेश जी की चांदी की प्रतिमाओं को इस दिन घर लाना, घर-कार्यालय, व्यापारिक संस्थाओं में धन, सफलता व उन्नति को बढाता है। इस दिन भगवान धनवन्तरी समुद्र से कलश लेकर प्रकट हुए थे, इसलिये इस दिन खास तौर से बर्तनों की खरीदारी की जाती है। इस दिन बर्तन, चांदी खरीदने से इनमें 13 गुणा वृद्धि होने की संभावना होती है। इसके साथ ही इस दिन सूखे धनिया के बीज खरीद कर घर में रखना भी परिवार की धन संपदा में वृद्धि करता है। दीपावली के दिन इन बीजों को बाग खेतों में लागाया जाता है ये बीज व्यक्ति की उन्नति व धन वृद्धि के प्रतीक होते है।

रूप चतुर्दशी

धनतेरस के अगले दिन रूप चतुर्दशी मनाया जाता है। इसको नर्क चतुर्दशी, नरक चौदस, रुप चौदस अथवा नरका पूजा के नामों से भी जाना जाता है। इसे छोटी दीपावली के रुप में भी मनाया जाता है। इस दिन संध्या के पश्चात दीपक जलाए जाते हैं और चारों ओर रोशनी की जाती है। रूप चौदस के दिन तिल का भोजन और तेल मालिश, दन्तधावन, उबटन व स्नान आवश्यक होता है। नरक चतुर्दशी का पूजन अकाल मृत्यु से मुक्ति तथा स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए किया जाता है। एक पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने कार्तिक माह को कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन नरकासुर का वध करके, देवताओं व ऋषियों को उसके आतंक से मुक्ति दिलवाई थी। नरक चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी भी कहते हैं। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण की भी पूजा का विधान है। भगवान श्री कृष्ण का पूजन करने से व्यक्ति को सौंदर्य की प्राप्ति होती है। रूप चतुर्दशी से संबंधित एक कथा भी प्रचलित है मान्यता है कि प्राचीन समय पहले हिरण्यगर्भ नामक राज्य में एक योगी रहा करते थे। एक बार योगीराज ने प्रभु को पाने की इच्छा से समाधि धारण करने का प्रयास किया. अपनी इस तपस्या के दौरान उन्हें अनेक कष्टों का सामना करना पड़ा। अपनी इतनी विभत्स दशा के कारण वह बहुत दुखी होते हैं। तभी विचरण करते हुए नारद जी उन योगी राज जी के पास आते हैं और उन योगीराज से उनके दुख का कारण पूछते हैं। योगीराज उनसे कहते हैं कि, हे मुनिवर मैं प्रभु को पाने के लिए उनकी भक्ति में लीन रहा परंतु मुझे इस कारण अनेक कष्ट हुए हैं ऐसा क्यों हुआ? योगी के करूणा भरे वचन सुनकर नारदजी उनसे कहते हैं, हे योगीराज तुमने मार्ग तो उचित अपनाया किंतु देह आचार का पालन नहीं जान पाए इस कारण तुम्हारी यह दशा हुई है। नारदजी उन्हें कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा अराधना करने को कहते हैं, क्योंकि ऐसा करने से योगी का शरीर पुनः पहले जैसा स्वस्थ और रूपवान हो जाएगा। अतः नारद के कथनों अनुसार योगी ने व्रत किया और व्रत के प्रभाव स्वरूप उनका शरीर पहले जैसा स्वस्थ एवं सुंदर हो गया. इसलिए इस चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी के नाम से जाना जाने लगा।

शेष पृष्ठ 3 पर....

संपादकीय

देशों के सम्मेलन में बढ़ा भारत का कद

ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान ही भारत एवं चीन के बीच हाल ही में सम्पन्न हुए बॉर्डर समझौते के बावजूद भारत को चीन से भारत में होने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर अपनी गहरी नजर बनाए रखना चाहिए। भविष्य में भी भारत को चीन से होने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति सोच समझकर ही देना चाहिए। हाल ही में ब्रिक्स समूह के देशों का सम्मेलन रूस के कजान शहर में सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन में रूस ने भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत तो किया ही, साथ ही, चीन के राष्ट्रपति के साथ भी भारत के प्रधानमंत्री की द्विपक्षीय वार्ता सम्पन्न हुई। इस वार्ता में चीन ने भारत की सीमा के पास जमा कर रक्खे अपने सैनिकों को पीछे हटाकर, सीमा पर वर्ष 2020 की स्थिति बहाल करने की घोषणा की है। भारत को भी अपने सैनिकों को सीमा पर पीछे की ओर ले जाना होगा। इससे भारत एवं चीन की सीमा पर पिछले कुछ वर्षों से लगातार बढ़ रहे तनाव को कम करने में सफलता हासिल होगी। इस संदर्भ में विभिन्न समाचार पत्रों में छपी जानकारी के अनुसार चीन एवं भारत ने अपने 80 से 90 प्रतिशत सैनिकों को वापिस पीछे की ओर हटा लिया है। चीन और भारत के आपस में सम्बंध सुधरने का असर केवल इन दोनों देशों के आपसी तनाव को ही कम नहीं करेगा बल्कि इन सम्बन्धों में सुधार का असर आर्थिक क्षेत्र में भी देखने को मिलेगा। दरअसल चीन आज आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है, चीन में आर्थिक विकास की दर तिमाही दर तिमाही कम हो रही है। चीन के अमेरिका के साथ सम्बंध बहुत अच्छे नहीं रहे है। अमेरिका एवं कई यूरोपीयन देशों ने चीन से विभिन्न वस्तुओं के आयात पर करों को बढ़ा दिया है ताकि चीन से आयात को कम किया जा सके। चीन की आंतरिक अर्थव्यवस्था में भी उत्पादों की मांग लगातार कम हो रही हैं। साथ ही, चीन के भवन निर्माण क्षेत्र एवं बैंकिंग क्षेत्र में भी कई प्रकार की समस्याएं खड़ी हो गई हैं। चीन के अपने पड़ोसी देशों, ताइवान, फिलिपींस, जापान, भारत आदि के साथ भी सम्बंध लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस सबका असर यह रहा है कि चीन ने भारत के साथ अपने सम्बन्धों को सुधारने की पहल शुरू की है ताकि वह भारत के साथ अपने व्यापार को बढ़ा सके एवं अपनी आर्थिक स्थिति को कुछ हद तक सुधार सके। हालांकि चीन के विस्तरवादी नीतियों पर चलने के कारण चीन पर तुरंत विश्वास करना बहुत कठिन है। इस संदर्भ में चीन का इतिहास भी इस बात का साक्षी नहीं रहा है कि चीन के सम्बंध किसी भी देश के साथ स्थायी रूप से बहुत अच्छे रहे हों। ब्रिक्स देशों में विश्व की 45 प्रतिशत आबादी निवास करती है, पूरे विश्व की 33 प्रतिशत भूमि इन देशों के पास है एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था में 28 प्रतिशत हिस्सेदारी ब्रिक्स के सदस्य देशों की है। ब्रिक्स समूह ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह गैर पश्चिमी देशों का एक समूह जरूर है, परंतु वह पश्चिमी देशों के विरुद्ध नहीं है। ब्रिक्स समूह को स्थापित करने वाले देशों में ब्राजील, रूस, भारत एवं चीन थे एवं वर्ष 2009 में दक्षिणी अफ्रीका को भी इस समूह में शामिल कर इस BRICS का नाम दिया गया।

उपराष्ट्रपति ने कहा- कोई न्यायालय सबऑर्डिनेट नहीं, प्रचलित शब्दों में बदलाव जरूरी

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि न्यायपालिका हमारे देश का सबसे महत्वपूर्ण अंग है, इसमें सबऑर्डिनेट शब्द की कोई जगह नहीं है। कोई भी न्यायालय सबॉर्डिनेट नहीं, इसमें बदलाव होना चाहिए। उन्होंने न्यायपालिका पर टिप्पणी करते हुए कहा, जब मजिस्ट्रेट या जिला जज फैसला लिखता है उनके मन में एक शंका रहती है कि मेरे फैसले पर क्या टिप्पणी होगी। वह फैसला उसके भविष्य को निर्वहन करता है।÷ उन्होंने आगे कहा कि हम सभी को इनके प्रति सहानुभूति रखनी चाहिए। राजस्थान के जयपुर में एआईआर पुस्तकालय के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अधिवक्ता संघ को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि उद्योगपति एवं कॉर्पोरेट समूहों को अन्य संस्थानों को प्रदान की जाने वाली सहायता की तर्ज पर न्यायपालिका के कार्यान्वयन में भी सहायता प्रदान करनी चाहिए। अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने आगे कहा कि कॉर्पोरेट्स के पास सीएसआर फंड है और उनको लोकल अदालतों में इन्वेस्ट करना चाहिए। संसद में कानून पारित कर नागरिक संहिता में हुए परिवर्तन पर बोलते हुए उपराष्ट्रपति ने इसे औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करने वाली एक महत्वपूर्ण घटना बताया। उन्होंने इसे दंडविधान से न्यायविधान की यात्रा बताते हुए कहा कि लंबे समय की मांग के बाद अंग्रेजों द्वारा बनाए गए इन कानूनों को निरस्त किया गया है जोकि नए वकीलों के लिए एक वरदान हैं। भारतीय न्याय संहिता सहित तीन कानूनों के पारित होते समय राज्यसभा के सभापति के रूप में स्वयं की उपस्थिति के अनुभवों को याद करते हुए कहा कि एक बहुत शक्तिशाली समिति ने इन कानूनों के प्रत्येक प्रावधान पर विचार किया। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने इस बदलाव में गहराई से जांच की है तथा तकनीक की मदद से प्रत्येक प्रावधान की पृष्ठभूमि को बारीकी से देखा गया है।

देश में जिला न्यायालयों, वहाँ कार्यरत वकीलों एवं आम आदमी की न्याय प्राप्ति पर बोलते हुए उन्होंने कहा, यदि हमें न्याय प्राप्ति को सस्ता और सुलभ बनाना है तो हमें लोगों को गुणवत्तापूर्ण न्याय देना होगा, आइए हम अपने जिला न्यायालयों, हमारे मजिस्ट्रेट, हमारे जिला न्यायाधीशों, हमारे युवा वकीलों पर प्रमुखता से ध्यान केंद्रित करें, जिला न्यायालय में वकील बहुत ही चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करते हैं। कानून की गुणात्मक शिक्षा के बावजूद वकीलों की स्थिति के विरोधाभास पर सामूहिक प्रयास का आह्वान करते हुए धनखड़ ने कहा कि, हमें युवा वकीलों को संभालना होगा, हमें उनमें निवेश करना होगा। देश में वकीलों और कानून स्नातकों के लिए अच्छी संस्थाएं हैं। कहीं ऐसा न हो कि वह टिक न पाएँ। इसके लिए एक सामूहिक प्रयास होना चाहिए।

इस कार्यक्रम के अवसर पर माननीय उपराष्ट्रपति की धर्मपत्नी डॉ सुदेश धनखड़, राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस मणींद्र मोहन श्रीवास्तव, राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस इंद्रजीत सिंह, जयपुर बार असोसिएशन के अध्यक्ष, एडवोकेट पवन शर्मा, जयपुर बार असोसिएशन के महासचिव एडवोकेट राजकुमार शर्मा, जयपुर बार काउन्सिल के अध्यक्ष एडवोकेट भुवनेश शर्मा, राजस्थान हाईकोर्ट बार असोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट प्रह्लाद शर्मा एवं अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

साइबर फ्रॉड को लेकर पुलिस मुख्यालय ने जारी की एडवाइजरी

जयपुर। साइबर ठगी के लगातार बढ़ते ऐसे मामले जिसमें आमजन अज्ञानता, लालचवश या बैंककर्मी से मिलीभगत कर साइबर क्रिमिनल को बैंक खाता किराए पर उपलब्ध कराते हैं, ऐसे मामलों का संज्ञान में लेते हुए पुलिस मुख्यालय की साइबर क्राइम शाखा ने एडवाइजरी जारी की है। महानिदेशक पुलिस, साइबर क्राइम राजस्थान, हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि प्रदेश में महानिदेशक पुलिस राजस्थान उत्कल रंजन साहु के मार्गदर्शन में साइबर अपराधों पर अंकुश लगानें एवं आमजन में साइबर जागरूकता लाने के उद्देश्य से लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। प्रियदर्शी ने बताया कि प्रदेश में इन दिनों साइबर ठग गरीब, बेरोजगार एवं आमजन को प्रलोभन एवं लालच देकर उनके बैंक अकाउंट को किराये पर लेकर साइबर अपराध के लिए उपयोग में ले रहे है। ऐसे करने वाले व्यक्ति अज्ञानतावश या लालच में आकर स्वयं भी साइबर अपराधों में लिप्त हो जाते है। यह भी संज्ञान में आया है कि प्रदेश के जिलों में साइबर ठगो द्वारा बैंक खाते मे कमीशन का लालच देकर खाताधारकों के बैंक खाते संदिग्ध लेन-देन के लिए उपयोग में लिये गये है।

साइबर ठगों को नहीं दे अपने बैंक खाता-

डीजी हेमंत प्रियदर्शी ने अपील की है कि किसी प्रलोभन, कमीशन व लालच में आकर अपना बैंक अकाउंट किसी भी अन्य व्यक्ति को उपयोग लेने के लिए नहीं दे। ऐसा करने पर साइबर अपराध में लिप्त खाताधारक स्वयं जिम्मेदार होंगे।

बैंक कार्मिकों की आपराधिक जिम्मेदारी तय होगी-

उन्होंने बताया कि कई बैंक कार्मिको द्वारा जहां ऐसे म्यूल अकाउंट खोले गये, उनकी अपराधिक जिम्मेदारी तय की जाकर विधिक कार्यवाही की गई थी व भविष्य में भी सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस मुख्यालय से सभी जिलों को विशेष दिशा-निर्देश जारी-

डीजीए साइबर अपराध प्रियदर्शी ने बताया कि इस संबंध में पुलिस मुख्यालय से सभी जिला पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि कलेक्टर कार्यालय, पुलिस थानों के सामने पम्पलेट, होर्डिंग्स लगाकर आमजन में सन्देश प्रसारित किया जावें ताकि साइबर अपराध से अनभिज्ञ लोगो में जागरूकता फैलाई जा सके। उक्त कार्यक्रम में पुलिस मित्र, महिला सुरक्षा सखी, साइबर वॉलिन्टियर, सीएलजी सदस्य के साथ-साथ जन सहभागिता ली जा सकती है।

सभी देशवासियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं
SHAH EDUCOM
A UNIT OF RIGHT VISION COMPUTER INSTITUTE
SYNONYM OF QUALITY EDUCATION
222, RAY COLONY, HASANPURA-C, KHATIPURA ROAD, JAIPUR
Ph. 2221152 • Mob. : 9024450092, 7791944837 Email : shaheducmitgk@gmail.com
COMPUTER COURSE
BASIC • TALLY
DTP • C, C++, JAVA
COACHING CLASSES
1 to 10TH
MATHS & SCIENCE
COMMERCE CALSSES
11TH & 12TH
B. COM
BBA
BCA
TYPING CALSSES
HINDI / ENGLISH
(COMPUTER & TYPEWRITER)
TYPING BY SOFTWARE
TYPING CLASSES
FOR COMPETITION EXAM
RS-CIT
C C C
O-LEVEL
WI-FI CAMPUS
Teach By Best Faculty

सभी देशवासियों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं!

तरूण टांक
आई.टी.वॉईस मीडिया प्रा.लि.
मो: 98292-54111

सभी को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

राजेश शर्मा
एडवोकेट (रा.उ.न्यायालय)
चेतना शर्मा
एडवोकेट (रा.उ.न्यायालय)

घनश्याम विजयवर्गीय
(एडवोकेट) राज. उच्च न्यायालय
मो: 9352739871, 8764328592
सभी देशवासियों को दीपावली पर्व की मंगलकामनाओं सहित
हार्दिक शुभकामनाएं

श्याम प्रकाश शर्मा
(एडवोकेट) राज. उच्च न्यायालय
मो: 9414077369
सभी देशवासियों को दीपावली पर्व की मंगलकामनाओं सहित
हार्दिक शुभकामनाएं

दौलत त्रिलोकानी
(अध्यक्ष) युवा जागृति संगठन
मो: 9982944038
सभी देशवासियों को दीपावली पर्व की मंगलकामनाओं सहित
हार्दिक शुभकामनाएं

शेष पृष्ठ 1 का....

खुशियों एवं उल्लास का त्योंहार- दीपावली

गोवर्धन एवं अन्नकूट

गोवर्धन पर्व दिपावली के एक दिन बाद मनाया जाता है। गोवर्धन पूजा के दिन ही अन्नकूट पर्व भी मनाया जाता है। दोनों पर्व एक दिन ही मनाये जाते है, और दोनों का अपना- अपना महत्व है। गोवर्धन पूजा विशेष रुप से श्री कृष्ण की जन्म भूमि या भगवान श्री कृष्ण से जुडे हुए स्थलों में विशेष रुप से मनाया जाता है। इसमें मथुरा, काशी, गोकुल, वून्दावन प्रमुख है। इस दिन घर के आँगन में गोवर्धन पर्वत की रचना की जाती है। श्री कृष्ण की जन्म स्थली बृज भूमि में गोवर्धन पर्व को मानवाकार रुप में मनाया जाता है। यहां पर गोवर्धन पर्वत उठाये हुए, भगवान श्री कृष्ण के साथ साथ उसके गाय, बछडे, गोपिया, ग्वाले आदि भी बनाये जाते है। और इन सबको मोर पंखों से सजाया जाता है। यह दिन गौ दिवस के रुप में भी मनाया जाता है। गोवर्धन पूजा के विषय में एक कथा प्रसिद्ध है. बात उस समय की है, जब भगवान श्री कृष्ण अपनी गोपियों और ग्वालों के साथ गायं चराते थे। गायों को चराते हुए श्री कृष्ण जब गोवर्धन पर्वत पर पहुंचे तो गोपियां 56 प्रकार के भोजन बनाकर बडे उत्साह से नाच-गा रही थी। पूछने पर मालूम हुआ कि यह सब देवराज इन्द्र की पूजा करने के लिये किया जा रहा है। देवराज इन्द्र प्रसन्न होने पर हमारे गांव में वर्षा करेगें, जिससे अन्न पैदा होगा। इस पर भगवान श्री कृष्ण ने समझाया कि इससे अच्छे तो हमारे पर्वत है, जो हमारी गायों को भोजन देते है। ब्रज के लोगों ने श्री कृष्ण की बात मानी और गोवर्धन पर्वत की पूजा करनी प्रारम्भ कर दी। जब इन्द्र देव ने देखा कि सभी लोग मेरी पूजा करने के स्थान पर गोवर्धन पर्वत की पूजा कर रहे है, तो उन्हें बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। इन्द्र गुस्से में आयें, और उन्होने ने मेघों को आज्ञा दीकी वे गोकुल में जाकर खूब बरसे, जिससे वहां का जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अपने देव का आदेश पाकर मेघ ब्रजभूमि में मूसलाधार बारिश करने लगें। ऐसी बारिश देख कर सभी भयभीत हो गयें। दौड कर श्री कृष्ण की शरण में पहुंचें, श्री कृष्ण से सभी को गोवर्धन पर्व की शरण में चलने को कहा। जब सब गोवर्धन पर्वत के निकट पहुंचे तो श्री कृष्ण ने गोवर्धन को अपनी कनिष्का अंगूली पर उठा लिया। सभी ब्रजवासी भाग कर गोवर्धन पर्वत की नीचे चले गयें। ब्रजवासियों पर एक बूंद भी जल नहीं गिरा। यह चमत्कार देखकर इन्द्रदेव को अपनी गलती का अहसास हुआ और क्षमा मांगी। सात दिन बाद श्री कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत नीचे रखा और ब्रजबादियों को प्रतिवर्ष गोवर्धन पूजा और अन्नकूट पर्व मनाने को कहा, तभी से यह पर्व इस दिन से मनाया जाता है।

भाई दूज

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि के लिये भाई दूज का पर्व मनाया जाता है। भाई दूज पर्व भाईयों के प्रति बहनों के श्रद्धा व विश्वास का पर्व है। इस पर्व को बहनें अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगा कर मनाती है और भगवान से अपने भाइयों की लम्बी आयु की कामना करती है। भाई-बहन के स्नेह व सौहार्द का प्रतीक यह पर्व दीपावली दो दिन बाद मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाई को तिलक लगाकर, उपहार देकर उसकी लम्बी आयु की कामना करती है। बदले में भाई अपनी बहन कि रक्षा का वचन देता है। इस दिन भाई का अपनी बहन के घर भोजन करना विशेष रुप से शुभ होता है।

एक पौराणिक मान्यता के अनुसार यमुना ने इसी दिन अपने भाई यमराज की लम्बी आयु के लिये व्रत किया था, और उन्हें अन्नकूट का भोजन खिलाया था। मिथिला नगरी में इस पर्व को आज भी यमद्वितीया के नाम से जाना जाता है। इस दिन चावलों को पीसकर एक लेप भाईयों के दोनों हाथों में लगाया जाता है। और साथ ही कुछ स्थानों में भाई के हाथों में सिदूर लगाने की भी परम्परा देखी जाती है। भाई के हाथों में सिंदूर और चावल का लेप लगाने के बाद उस पर पान के पांच पत्ते, सुपारी और चांदी का सिक्का रखा जाता है, उस पर जल उडेंलते हुए भाई की दीर्घायु के लिये मंत्र बोला जाता है। भाई अपनी बहन को उपहार व मिठाई देते है. देश के अलग- अलग हिस्सो में इस परम्परा में कुछ न कुछ अंतर आ ही जाता है।

सभी को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

गुप्ता ट्रेंडर्स
प्रो. बंटी गुप्ता
प्लास्टिक, कटलरी एवं हॉजरी में हजारों आईट्मों के होलसेल विक्रेता
शॉप नं. 2175, पहले चौराहे से पहले, राजाशिवदास जी का रास्ता
चौगान स्टेडियम के सामने, गणगौरी बाजार, जयपुर

राजेन्द्र माहेश्वरी
की ओर से सभी देशवासियों को
दीपावली पर्व की शुभकामनाएं

सभी देशवासियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं
विकास खण्डेलवाल
अधिवक्ता
मो: 9460601947

सभी देशवासियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं

पंकज गुप्ता
(चेयरमैन)
फ्लेम्स इंडिया चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज
मो: 9413344446

सभी देशवासियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं
राजेश गुप्ता

(एडवोकेट)
राज. उच्च न्यायालय
मो: 9309212401

सभी देशवासियों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं!

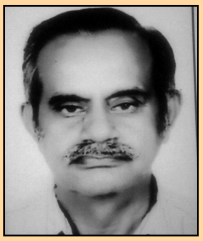

बृज मोहन मदान
(एडवोकेट)
राज. उच्च न्यायालय
मो: 93513-60578

Busyline
Computer System

Phone No.:
9414218298
Email:
Busylinev@gmail.com
sagraya@yahoo.com
WE HELP TO FIX ALL PROBLEM!
One Stop Computer Solutions

Software Developement
Education Consultancy
AMC of Laptops and PCs
Website Designing
Networking and Internet Solutions
Sales and Service
Shastri Nagar, Jaipur (302016)
9414218298

सभी देशवासियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं
Since 2006
CSP
Creative
Study
Point
नींव से निर्माण तक
Batches Start
CREATIVE
STUDY POINT
11th & 12th
(Physics, Chemistry, Bio & Maths)
11th & 12th
(Commerce)
Separate Batches
For Both Medium
9th & 10th
(Science, Maths, English, S.St)
B.Sc
(Maths & Physics)
Mob. 9414795238
9829033204
Add. P.No. 10, Krishna Colony, Near Modal School, Ramgarh Mode, Jaipur

सभी देशवासियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं
जय कुमार जैन
(समाजसेवी) कालाडेरा वाले
मो: 9351055600

iTVoice® all things tech.

India's Premier IT Magazine & First Daily Tech News OTT

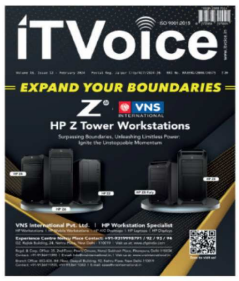

Magazines & Newspapers

Highest Digital Presence

www.itvoice.in

Daily Tech News & Podcasts

Contact for Print & Digital Marketing

+91 141 4014911
info@itvoice.in

ICPL
www.icpljpr.com

Professional IT Support

Domain & Hosting
Web Development
Customized Software Solution
Web Operation
Client / Server Management
Network Maintenance
Service Desk Support
Customized IT Support Services
Dealing in all Major Brands

Informatic Computech Private Limited

Jaipur - Rajasthan (Ph.) +91-141-2280510 md@icpljpr.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक तरूण कुमार टांक के लिये महारानी प्रिन्टर्स प्लाट नं. 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 52/121, वीरतेजाजी रोड, मानसरोवर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-तरूण कुमार टांक Email: mahanagarstambh@gmail.com